आराजी को लेकर दिदौंध सरपंच और बैरगला के लोगों में विवाद

विद्यालय भवन निर्माण को लेकर सरपंच एवं उसके पति ने लगाया मारपीट का आरोप, ग्राम वासियों साथ कोठी थाना में पहुंचकर की शिकायत

नवभारत न्यूज

कोठी 1 अगस्त, जिले के कोठी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत दिदौंध में विद्यालय भवन निर्माण के चलते वाद विवाद की स्थिति बन गई ।

ग्राम पंचायत के सरपंच गीता रामदीन कोरी ने बताया कि मैं अपने ग्राम पंचायत में विद्यालय के लिए भवन निर्माण का कार्य करवा रही थीं जहां पर मेरे ग्राम पंचायत के पटवारी दिलीप सिंह ने मुझे प्रतिवेदन बना कर दिया था और उक्त जगह को जहां पर विद्यालय का निर्माण चालू है उसको सरकारी आराजी बताया था और आराजी नंबर 1009 का प्रतिवेदन बनाकर दिया था जहां पर खनिज गौण विभाग से कलेक्टर महोदय द्वारा भवन निर्माण राशि की स्वीकृति

प्रदान की गई थी जिस पर काम चालू था और मेरे पति भी मजदूरों संग काम में व्यस्त थे तभी बैरगला गांव के दर्जन से अधिक की संख्या में निवासी पहुंचकर उस काम को रुकवाने लगे और मेरे साथ जबरन गाली गलौज और बदतमीजी पर उतारू हो गए मेरे मना करने पर उन्होंने मेरे और मेरे पति के साथ मारपीट की साथ ही मेरे सभी कागजात जो मैंने दिखाएं उनको उन्होंने सभी फाड़ दिए इसके बाद मैं आवाज़ लगाई तो मेरे गांव के ग्रामवासी वहां पर पहुंचे और बीच बचाव किया इसके बाद मैं सभी को लेकर कोठी थाना पहुंचकर अपने एवं अपने पति के साथ हुई मारपीट की जानकारी दी और कार्रवाई की मांग की साथ ही कहा कि यदि इसी तरह से मुझे प्रताड़ित किया जाएगा तो मैं अपने गांव की सरपंची छोड़ दूंगी और मुझे इस तरह से सरपंची नहीं चलानी है क्योंकि मेरे गांव के बच्चे पढ़ाई के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं और मैं उनके लिए इधर-उधर भाग दौड़कर विद्यालय के भवन के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत कराई और सरकारी जमीन भी तलाशी इसके बाद वहां पर मुझे काम नहीं करने दिया जा रहा और जबरन मारपीट की जा रही है ऐसे में मुझे सरपंची चला कर क्या करना है। उधर बैरगला ग्राम के निवासी उक्त आराजी को अपनी ग्राम पंचायत की बता रहे हैं और उस पर आज स्टे भी लगा दिया है ग्राम वासियों द्वारा उक्त आराजी जहां पर काम किया जा रहा है वह बैरगला ग्राम की है और उसका आराजी नंबर 249 है जिस पर ग्राम पंचायत बैरगला का हक है और इसके लिए सभी जगह आवेदन भी दिए गए हैं और यह जांच प्रक्रिया में शामिल भी हो गया है ।

दी जा रही है मारपीट की धमकी

ग्राम वासियों ने बताया कि जबरन दिदौध गांव के सरपंच द्वारा निर्माण कराया जा रहा है और विवाद की स्थिति बन रही है ग्राम वासियों ने बताया कि स्टे मिलने के बाद काम को रूकवाये जाने पर दिदौंध गांव के सरपंच द्वारा विवाद किया जाने लगा और ग्राम वासियों को बुला लिया गया जिसके बाद जबरदस्ती काम करने का धौंस दिखाए जाने लगा और मारपीट की धमकी दी जाने लगी।

होटलों, समोसा ठेला वालों को कहां से मिलते हैं सिलेंडर

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 1 अगस्त, जहां एक ओर गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ता परेशान है, उसे 45 दिन में वह भी मिल जाए तो यहां युद्ध जीतने जैसा है। वही अमरपाटन में होटलों व समोसा भजिया चाय के ठेलों में सरेआम रसोई गैस का उपभोग किया जाता है।

50 ठेला अकेले चौपाटी में लगते हैं। इसके अलावा नगर के हर गली मोहल्ले रीवा रोड,मैहर रोड में ठेला लगते हैं। इसके साथ होटलों व ढाबों में रसोई में इसी गैस का उपयोग में लिया जाता है जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस गैस का उपयोग रसोई तक ही? सीमित रहेगा। व्यवसाय को व्यवसायिक सिलेंडर की व्यवस्था है लेकिन हर जगह रसोई गैस ही प्रयोग की जाती है। वह भी सरेआम कोई छिपाव नहीं। अमरपाटन का गैस उपभोक्ता चर्चा करता है कि हमें गैस मिलती नहीं, बस नंबर? बुक करवाता है। लेकिन इन ठेला होटल वालों को गैस सिलेंडर कहां से मिलते हैं? चाहे जितना भी कमी आ जाए लेकिन इनके लिए कभी संकट नहीं आता। इनकी दुकानें हमेशा चलती रहती हैं। आखिर इन्हें सिलेंडर कहां से मिलते हैं? कभी भी कोई अधिकारी जो इस विभाग का है जिसकी ड्यूटी है उसे अपने महीने की वसूली से मतलब है। स्थानीय प्रशासन ने भी इस ओर कभी ध्यान नहीं दिया। सभी जानते हैं कि इन्हे गैस कहां से मिलती है। नगर में गैस सिलेंडर का बहुत बड़ा माफिया है जो गैस एजेंसी से सिलेंडर उठाकर अपनी गोदाम में रखता है व इनके पास होम डिलीवरी करता है। जब कभी ज्यादा हल्ला हुआ तब दो-चार सिलेंडर दिखाने के लिये जप्त होते हैं लेकिन इसका व्यवसाय बंद नहीं होता। स्थानीय प्रशासन से उम्मीद नहीं है शायद जिला कलेक्टर इस ओर ध्यान दे व उपभोक्ता को नियम अनुसार गैस मिले इस ओर कदम उठाएगी। यदि प्रशासन इन पर अंकुश लगा देता तो अपने आप गैस की संकट दूर हो जाएगी।जले ट्रांसफार्मर, खाद की किल्लत

जिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

अमरपाटन 1 अगस्त, क्षेत्र के ताला एवं कटहा डी सी मे घोषित बिजली कटौती, जले हुए ट्रांसफार्मर, झूलती हुई तारों, किसानों को निरंतर 10 घंटे बिजली न मिलाना बीच-बीच में कई बार बिजली ट्रिप करना मेंटेनेंस के नाम पर जो कटौती की जाती है.

10 घंटे में कटौती शामिल न की जाए 10 घंटे पूर्ण विद्युत प्रदान की जाए जिसके चलते किसान धान की रोपाई धान सूखने के कगार के चलते मध्य प्रदेश पूर्व विद्युत वितरण कंपनी अमरपाटन, डीसी ताला, डीसी कटहा में कांग्रेस के जिला पदाधिकारी ब्लॉक पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा ज्ञापन सौंप कर विद्युत सुधार तत्काल कराए जाने की मांग की उस दौरान ताला ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा, मंडलम अध्यक्ष अवनीश तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष मनसुख चौरसिया, इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए.

सेवानिवृत्ति पर श्रीमती कांति त्रिपाठी का सम्मान

दी गई भावभीनी विदाई

नवभारत न्यूज

सतना 1 अगस्त, जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसिंहपुर अंतर्गत उप स्वास्थ केंद्र डोमहाई में पदस्थ स्वास्थ्य विभाग की वरिष्ठ कर्मचारी हरू श्रीमती कांति त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर

अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने उन्हें पुष्प मालाएं, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

पूर्व सरपंच द्वारिका तिवारी, सेक्टर सुपर वाइजर ब्रह्मानंद पांडेय, पूर्व पार्षद युगल पाठक सहित अन्य वक्ताओं ने उनके लंबे कार्यकाल की सराहना करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में दिए गए योगदान को याद किया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों द्वारा श्रीमती कांति त्रिपाठी को शुभकामनाएं देने तथा उनके सुखमय जीवन की कामना के साथ हुआ।

समारोह में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कोरोना काल से बंद जबलपुर-कटनी-कोटा ट्रेन पुन : शुरू करने की मांग तेज

▶ सांसदों से हस्तक्षेप की अपील

नवभारत न्यूज

अमदरा 1 अगस्त, कोरोना महामारी के दौरान बंद की गई जबलपुर-कटनी सागर होकर कोटा तक चलने वाली महत्वपूर्ण रेल सेवा आज तक पुन: प्रारंभ नहीं हो सकी है। इसके कारण मध्यप्रदेश के हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने रेल मंत्रालय से इस ट्रेन का संचालन शीघ्र शुरू करने की मांग करते हुए जबलपुर, सतना और सागर के सांसदों से भी इस मामले में प्रभावी पहल करने का आग्रह किया है। कोटा देश का प्रमुख शिक्षा केंद्र है, जहां आईआईटी-जेईई, नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हर वर्ष हजारों

विद्यार्थी पहुंचते हैं। इस ट्रेन के बंद होने से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को सीधी और किफायती यात्रा की सुविधा नहीं मिल पा रही है। क्षेत्र के नागरिकों ने सतना सांसद, जबलपुर सांसद एवं सागर सांसद से अनुरोध किया है कि वे रेल मंत्री एवं रेलवे बोर्ड के समक्ष इस जनहित के मुद्दे को मजबूती से उठाकर कोरोना काल से बंद जबलपुर-कटनी- मैहर-सतना- कोटा रेल सेवा को शीघ्र पुन: प्रारंभ कराने के लिए प्रभावी पहल करें।

इनका कहना है

मैहर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल शुक्ला ने कहा कि यह ट्रेन शिक्षा, व्यवसाय, न्यायिक कार्यों तथा आम यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी थी। इसके पुन: संचालन से पूरे विंध्य क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

इनका कहना है

सतना के राहुल गर्ग ने कहा कि कोटा में देश के सबसे बड़े कोचिंग संस्थान संचालित होते हैं। इस ट्रेन के शुरू होने से विद्यार्थियों और अभिभावकों को सीधी, सुरक्षित और सस्ती यात्रा सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी।

इनका कहना है

जबलपुर के नंदकिशोर यादव ने कहा कि कोरोना काल समाप्त हुए काफी समय बीत चुका है, लेकिन यह महत्वपूर्ण रेल सेवा आज भी बंद है। रेलवे को जनभावनाओं का सम्मान करते हुए इस ट्रेन का संचालन जल्द बहाल करना चाहिए।

इनका कहना है

सागर के निपिल गौतम ने कहा कि यह ट्रेन विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम यात्रियों के लिए जीवनरेखा थी। कोटा जैसे शिक्षा केंद्र तक सीधी रेल सेवा बंद होने से लोगों को अतिरिक्त खर्च और असुविधा झेलनी पड़ रही है। उन्होंने ट्रेन को तत्काल पुन : शुरू करने की मांग की।

श्री शिव महापुराण का विधि-विधान के साथ हुआ शुभारंभ

निज निवास भागवत पीठ में पहले दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब

नवभारत न्यूज

चित्रकूट, 1 अगस्त वृंदावन से चलकर कथा की गंगा जब जग निवास भागवत पीठ पहुंची तो पूरा माहौल शिवमय हो गया। आचार्य नवलेश महाराज के निज निवास पर 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। पहले दिन शाम 4 बजे से शुरू हुई कथा में ग्राम वासियों की भारी भीड़ रही।

कथा वाचक सुमेधा नंद महाराज ने दीप प्रज्वलन और संकल्प के साथ कथा का आरंभ किया। उन्होंने कहा कि शिव कोई व्यक्ति नहीं, शिव वह तत्व हैं जिनका न कभी जन्म होता है न मृत्यु। शिव सृष्टि के आरंभ से पहले भी थे और अंत के बाद भी रहेंगे। उन्होंने बताया कि शिव महापुराण केवल कथा नहीं है, यह जीवन जीने की कला है। इसे

सुनने के बाद मनुष्य को अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य का बोध होता है। अहंकार मिटता है, भय दूर होता है और मन को शांति मिलती है।

पहले दिन महाराज ने शिव के स्वरूप, गंगा के जटाओं से अवतरण और शिवलिंग की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य सच्चे मन से शिव का नाम लेता है, उसके सारे कष्ट हर लिए जाते हैं। कथा के बीच-बीच में भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे।

कथा के समापन पर सभी ग्रामवासियों के साथ विधिवत आरती हुई और प्रसाद वितरण किया गया। इस आयोजन के यजमान राम किशोर दीक्षित और बागेश्वरी दीक्षित रहे। पूरे 9 दिन तक रोजाना शाम 4 बजे से कथा होगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे। वातावरण हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

कर्मचारियों के मुद्दे पर सियासत तेज, पूर्व अध्यक्ष ने उठाए सवाल

नवभारत न्यूज

रामनगर 1 अगस्त, मैहर जिले के नगर परिषद रामनगर में कर्मचारियों के वेतन एवं आउटसोर्स व्यवस्था को लेकर हुई परिषद बैठक के बाद राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है।

पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रामसुशील पटेल ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में कर्मचारियों की नियुक्ति किसी जाति या वर्ग विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि परिषद की आवश्यकता और विधिसम्मत प्रक्रिया के अनुसार की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में कर्मचारियों से जुड़े सभी निर्णय परिषद की पीआईसी एवं परिषद की स्वीकृत प्रक्रिया के तहत लिए गए। नियुक्त कर्मचारियों का उद्देश्य सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, राजस्व कार्य एवं अन्य आवश्यक जनसेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करना था।

नियुक्तियों को लेकर दिया सामाजिक संतुलन का तर्क- पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि नियुक्तियों को लेकर लगाए जा रहे आरोप तथ्यात्मक नहीं हैं। उनके अनुसार नगर परिषद में लगभग 22 कर्मचारी ब्राह्मण समाज, 7 कर्मचारी ठाकुर समाज तथा 4 कर्मचारी गुप्ता समाज से कार्यरत रहे। इसके अलावा पटेल, कोल, साकेत, यादव, प्रजापति, कुशवाहा, विश्वकर्मा, सोनी, चर्मकार, खान, चौरसिया, पाल, बारी, रावत, जैसवाल सहित अनेक समाजों के लोगों को भी कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने इसे अपनी "सभी समाजों को समान अवसर"

की नीति का प्रमाण बताया।

8-7 से खारिज हुआ प्रस्ताव- रामसुशील पटेल ने कहा कि हाल ही में परिषद की बैठक में कर्मचारियों को आउटसोर्स व्यवस्था में भेजने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन परिषद ने 8-7 के बहुमत से प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उनके अनुसार परिषद के इस निर्णय से वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के वेतन एवं सेवा व्यवस्था को पूर्ववत बनाए रखने का रास्ता साफ हुआ।

कर्मचारी की पहचान उसकी सेवा से हो- पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी कर्मचारी का मूल्यांकन उसकी जाति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी सेवा, अनुभव और कार्य के आधार पर होना चाहिए। उनके अनुसार नगर परिषद के कर्मचारी वर्षों से जनता की सेवा कर रहे हैं और उनके सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है।

जनसेवा का संकल्प दोहराया- अपने वक्तव्य के अंत में रामसुशील पटेल ने कहा कि परिषद के बहुमत द्वारा लिया गया निर्णय कर्मचारियों, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवेदनशील प्रशासन की जीत है। उन्होंने कहा कि उनका जनसेवा का संकल्प पहले भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा तथा वे प्रत्येक नागरिक और कर्मचारी के सम्मान एवं न्यायपूर्ण व्यवस्था के पक्ष में खड़े रहेंगे।

इन पार्षदों का जताया आभार

पूर्व अध्यक्ष ने कर्मचारियों के पक्ष में मतदान करने वाले जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उनके अनुसार कर्मचारियों के हित में मतदान करने वालों में उपाध्यक्ष दुर्गा महेन्द्र शर्मा, रामसुशील पटेल, सुनीता पटेल, सुनील बंसल, निराशा कोल, रानी कोल, सोनू साकेत तथा सुधा गुप्ता शामिल रहे।

विपक्ष में मतदान करने वालों से पूछे सवाल

वक्तव्य में उन्होंने बताया कि प्रस्ताव के समर्थन में अध्यक्ष दीपा मिश्रा, सुल्ताना परवीन, दीपेन्द्र सिंह, उषा महेन्द्र कुशवाहा, रमकलिया कोल, अजय द्विवेदी एवं प्रशांत त्रिपाठी ने मतदान किया। रामसुशील पटेल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन जनता को भी यह जानने का अधिकार है कि ऐसे निर्णय किस आधार पर लिए गए। उन्होंने प्रश्न उठाया कि जब विभिन्न समाजों के कर्मचारी वर्षों से नगर परिषद में कार्यरत थे, तब उनके रोजगार एवं परिवारों की आजीविका को प्रभावित करने वाले प्रस्ताव का समर्थन क्यों किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी निर्णय पर कानूनी या प्रशासनिक आपत्ति थी तो उसका समाधान कर्मचारियों के हितों की रक्षा करते हुए भी निकाला जा सकता था।

बियर हाउस संचालक 5 साल में भी नहीं लगवा पाए ट्रांसफार्मर

नवभारत न्यूज

कोटर 1 अगस्त, लखनवाह गांव में लगभग 10 एकड़ जमीन पर निर्मित एमपी डब्ल्यू एलसी के वेयर हाउस में बिजली का ट्रांसफार्मर लगभग 5 वर्ष बाद भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं लगवा पाए।

एमपी डब्ल्यू एलसी के वेयर हाउस के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही एवं मनमानी के चलते लखनवाह गांव के हरिजन आदिवासियों की बस्ती विष्णु नगर का ट्रांसफार्मर ओभरलोड के कारण जल गया , 10 एकड़ जमीन पर फैले वेयर हाउस में कई करोड़ों के

धान एवं गेहूं का भंडारण होता है, परिसर में धर्मकांटा, सबमर्सिबल पंप कर्मचारियों के आवास, कार्यालय एवं बाउंड्री के चारों तरफ लगभग 100 से ज्यादा स्ट्रीट लाइट लगे होने के कारण परिसर के अंदर बिजली का ट्रांसफार्मर नहीं जिम्मेदार अधिकारी लगवा रहे हैं,इस कारण बिष्णु नगर के बस्ती के वशिदे अंधेर में रहने को मजबूर हैं, बेयर हाउस के अधिकारियों ने बस्ती में लगे दूसरे बिजली ट्रांसफार्मर से कटिया फंसा कर बिजली की चोरी कर रहे हैं , इसका दूसरा ट्रांसफार्मर ओभरलोड होता है, बेयर हाउस के अधिकारियों द्वारा कभी कभार 4 किलो वाट का टीसी कनेक्शन लेने की खबर है।

चित्रकूट विधायक ने बिजली की समस्या पर मुख्य अभियंता से मांगे ट्रांसफॉर्मर

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 1 अगस्त, चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में चल रहे बिजली के संकट को देखते हुये क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने बताया कि उन्होंने मुख्य अभियंता विद्युत, रीवा से चर्चा कर 37 ट्रांसफ़ॉर्मर तत्काल मंगवाये हैं।

क्षेत्र में जो जले और बिगड़े ट्रांसफॉर्मर आंशिक बिल भुगतान कर पात्रता की श्रेणी में आ चुके हैं, वहाँ इन्हें वरीयता अनुसार लगवाया जायेगा। श्री गहरवार ने कहा कि बिजली की समस्या से न केवल किसान, बल्कि आमजन जूझ रहा है, जिसमें बिजली विभाग की अनदेखी और स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की लापरवाही और

कमीशनखोरी सामने आयी है। विदित हो कि इन्हीं समस्याओं को ले कर हाल ही में बिरसिंहपुर में भाजपा के ही कार्यकर्ताओं ने बिजली दफ्तर का घेराव भी किया था। मुख्य अभियंता से चर्चा अनुसार विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 6 सब स्टेशन बैरहना, बिरसिंहपुर, जैतवारा, मझगवां, बरौंधा और चित्रकूट के लिये 25 केवीए के 26, 63 केवीए के छह, 100केवीए के चार एवं 200 केवीए का एक ट्रांसफॉर्मर अगले 3-4 दिन में मिल जायेंगे जो सिर्फ चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में लगेंगे।

कन्या पूजन एवं ज्वारा विसर्जन के साथ हुआ गौरी व्रत का उद्यापन

हमारे धार्मिक आयोजन हमे और हमारी पीढ़ियों को दिखाते है सदमार्ग का रस्ता : डॉ इलेश जैन

नवभारत न्यूज

चित्रकूट 1 अगस्त, परमहंस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज की तपस्थली बड़ी गुफा जानकीकुंड स्थित रघुवीर मन्दिर के तत्त्वावधान में गौरी एवं जया पार्वती व्रत में 171 कन्याओं ने सहभागिता की। आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी से श्रावण कृष्ण द्वितीया तक चलने वाले इस पाँच दिवसीय व्रत को ट्रस्ट द्वारा विगत 42 वर्षों से मनाया जा रहा है।

महिला समिति की अध्यक्ष उषा जैन ने बताया कि, यह व्रत गुजरात में ब?ी मात्रा में मनाया जाता है, चित्रकूट में इस व्रत की शुरुवात ट्रस्ट के प्रथम अध्यक्ष रहे स्व. अरविन्द भाई मफतलाल एवं स्व.श्रीमती सुशीला बेन मफतलाल एवं स्व.

ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं निदेशक रहे पद्मश्री डॉ बी के जैन की प्रेरणा से हुई थी, जो परम्परा आज भी कायम है उन्होंने इस व्रत की महत्ता को बताते हुए बताया कि त्रेता युग में मां जानकी गौरी पूजन करने जा रही तभी एक सखी ने मां जानकी को बताया की फुलवारी में दो बहुत ही सुंदर राजकुमार आए हुए है उनको देखने की लालसा से मां जानकी फुलवारी पहुंचती है और भगवान राम पर उनकी नजर पड़ती है नजर पड़ते ही मां गौरी का पूजन कर उनसे प्रार्थना करती है कि भगवान राम ही मुझे पति रूप में मिले और मां गौरी उन्हें आशीर्वाद प्रदान करती है कि भगवान राम ही तुम्हे पति रूप में मिलेंगे तब से इस व्रत को अविवाहित महिलाएं मनचाहा वर पाने के लिए ये व्रत रखती है साथ ही इस व्रत से हिंदू सनातन धर्म को हमारी आने वाली पीढ़ियां में जानेगी । वहीं ट्रस्टी एवं निदेशक डॉ इलेश जैन ने बताया कि यह हमारी आस्था,संस्कृति और सनातन की विरासत और परंपराएं है जो हम सबको और हमारी आने वाली पीढ़ियों को सदमार्ग का रस्ता दिखाती है साथ ही धर्म अधर्म, पाप और पुण्य का ज्ञान कराती है। प्रतिवर्ष इस व्रत को रखने वाली कन्याओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। व्रत के अन्तिम चरण में माता गौरी-पार्वती की आराधना में रात्रि जागरण का एवं धार्मिक-साँस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का विधान हैं। इस वर्ष विद्याधाम सभागार में गुरुभाई-बहनों एवं सदगुरु परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में विभिन्न धार्मिक प्रसंगों पर आधारित कार्यक्रम की प्रस्तुति बालिकाओं ने दी जिसे सभी ने खूब सराहा। शनिवार को सुबह पूजन के बाद प्रार्थना भवन से रघुवीर मन्दिर शोभा यात्रा निकाली गयी तथा कन्या पूजन एवं ज्वारा विसर्जन के साथ व्रत की पूर्णाहुति हुई।